अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में निवेश के लिए आमंत्रण

व्यापार से जुड़े कई मुद्दों पर होगी चर्चा

वॉशिंगटन। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी विनिर्माताओं से भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए उन्नत विनिर्माण क्षेत्र में सह-निवेश के अवसर तलाशने का आग्रह किया। गोयल ने विस्कॉन्सिन के मिल्वॉकी में जी20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स (एनएएम) द्वारा आयोजित एक कारोबारी गोलमेज बैठक को संबोधित किया। गोयल मंगलवार को अमेरिका के शिकागो पहुंचे थे। मिल्वॉकी, अमेरिका का एक प्रमुख औद्योगिक और विनिर्माण केंद्र है। यहां खाद्य एवं पेय, मशीनरी विनिर्माण, ऊर्जा तथा जल प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों की कई बड़ी कंपनियों के मुख्यालय हैं। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि एनएएम की बैठक में उन्होंने भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों में मजबूत गति के साथ भारत के बढ़ते औद्योगिक आधार और कुशल कार्यबल को रेखांकित किया।

मंत्री ने कहा, अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने, भारतीय एम.एस.एम.ई. के साथ साझेदारी करने और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए उन्नत विनिर्माण में सह-निवेश के अवसर तलाशने के

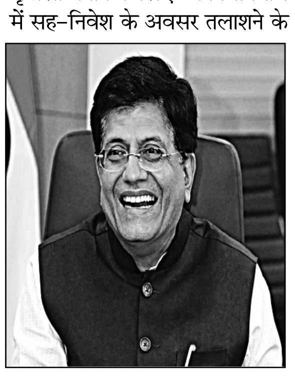

लिए आमंत्रित किया। इससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए मूल्यवर्धन होगा। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कारोबारी गोलमेज बैठक और एनएएम द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में जी20 व्यापार मंत्रियों के साथ हिस्सा लिया। जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक में व्यापार से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा होगी।

इनमें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बंधुआ मजदूरी को खत्म करने से लेकर संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता और अतिरिक्त उत्पादन से निपटना शामिल है। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा आईईईपीए के तहत लगाए गए शुल्कों को रद्द किए जाने के बाद अमेरिका इन दो शुल्क संबंधी उपायों का इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के पिछले सप्ताह जारी बयान के अनुसार, ग्रीर जी20 की चर्चाओं का नेतृत्व करेंगे।

इनमें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बंधुआ मजदूरी को खत्म करना, सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) सिद्धांत को अद्यतन करना, खाद्य पदार्थों के व्यापार को हथियार बनाने की निंदा करना तथा संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता और उत्पादन से निपटना शामिल है। जी20 यानी 20 देशों का समूह एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जिसमें दुनिया की प्रमुख विकसित एवं उभरती अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक नीतियों पर चर्चा और समन्वय के लिए शामिल होती हैं। अमेरिका के पास 2026 में जी20 की अध्यक्षता है। इसके सदस्यों में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

दैनिक मंडी समीक्षा

नयी दिल्ली। ग्राहकी निकलने तथा हाजिर में माल की कमी के कारण काबली चना 500 रुपये प्रति क्विंटल तेज हो गया। दाल मिलों की मांग से दलहनों में चना-मूंग-उड़द-अरहर की कीमतों में 50/100 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। मांग बढ़ने तथा आपूर्ति कमजोर होने से सरसों व इसके तेल के भाव 50/100 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। जबकि अखाद्य तेलों में मांग कमजोर होने से राइसफैटी की कीमतों में 100 रुपये की गिरावट रही। आवक कमजोर होने से गुड़-शक्कर की कीमतों में स्थिरता रही। जबकि मांग कमजोर होने से चीनी में कारोबार ढीला रहा। किराना जिंसों में मांग बढ़ने से बड़ी इलायची के भाव 20 रुपये तथा छोटी इलायची के भाव 50 रुपये प्रति किलो तेज हो गए। बिकवाली कमजोर होने से जीरे में भी 200 रुपये की सुर्खी रही। आयातकों की बिकवाली घटने तथा त्योहारी मांग निकलने से पिस्ते के भाव 50/100 रुपये तथा बादाम गिरी के भाव 20/25 रुपये प्रति किलो तेज हो गए।

अनाज-दाल

निर्यात व घरेलू मांग बढ़ने तथा राइस मिलों की बिकवाली कमजोर होने से बासमती चावल के भाव 100 रुपये बढ़कर 1509 चावल सेला 8400/8500 तथा स्टीम 8600/8700 रुपये व बासमती 1718 सेला 9400/9500 तथा 1401 स्टीम के भाव 10000/10100 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। ग्राहकी निकलने तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से जौ 110 रुपये बढ़कर 2840/2860 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दाल मिलों की

मांग बढ़ने तथा आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से उड़द 100/200 रुपये बढ़कर देसी 8200/9200 रुपये तथा रंगून एफएक्यू 9525/9550 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। बिकवाली कमजोर होने से मूंग भी 100 रुपये तेज होकर राजस्थान 8400/8700 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। आयातकों की बिकवाली सुस्त पड़ने से अरहर लेमन 50 रुपये बढ़कर 9150/9175 रुपये तथा देसी के भाव 9550/9600 रुपये व राजस्थानी चना 7000/7025 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दलहनों में तेजी का रुख होने के कारण मिलों की बिकवाली कमजोर होने से अरहर दाल 100 रुपये बढ़कर 12100/13000 रुपये तथा चना दाल 8000/8500 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। महाराष्ट्र की मंडियों के तेज समाचार आने तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली घटने से काबली चना 500 रुपये बढ़कर मीडियम 8000/8200 रुपये प्रति क्विंटल के उच्च स्तर पर पहुंच गया। राजमा भी पूछपरख बढ़ने से 200 रुपये बढ़कर ब्राजील इंडियन 11700/11900 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

तेल-तिलहन

तेल मिलों की मांग बढ़ने तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से सरसों 50 रुपये बढ़कर 8350/8400 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। सरसों में तेजी का रुख होने के कारण मिलों की बिकवाली सुस्त पड़ने से सरसों तेल भी 100 रुपये तेज होकर 17050 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। जबकि ऊंचे भाव पर मांग कमजोर होने से सोया तेल के भाव 15000 रुपये तथा बिनौला तेल के भाव 14800 रुपये प्रति क्विंटल पर सुस्त रहे। अखाद्य तेलों में साबुन निर्माताओं की मांग कमजोर होने से राइसफैटी 100 रुपये घटकर 11800/11850 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। उठाव न होने से सोया एसिड ऑयल भी 100/200 रुपये घटकर 10000/10100 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया।

गुड़-चीनी

सरकार द्वारा अक्तूबर माह के पहले पखवाड़े के लिए 14 लाख टन का कोटा आबंटित किया गया है जो सितंबर की तुलना में अधिक है। कोटा छोड़े जाने व महीने के अंतिम तारीख होने के कारण लिफ्टिंग का दबाव बढ़ने के कारण मिल डिलीवरी चीनी के भाव 4500/4600 रुपये पर सुस्ते रहे। महाराष्ट्र में भी मांग कमजोर होने से चीनी के भाव 20 रुपये प्रति क्विंटल घट गए। जबकि पश्चिम उत्तर प्रदेश की मंडियों से आवक न बढ़ने के कारण गुड़ पेड़ी के भाव 5900/6000 रुपये तथा ढैया के भाव 6100/6200 रुपये प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे।

किराना-मेवे

ग्राहकी निकलने तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से छोटी इलायची 50 रुपये बढ़कर 2800/3600 रुपये प्रति किलो हो गई। बड़ी इलायची भी पूछपरख बढ़ने से 20 रुपये तेज होकर 1450/1490 रुपये प्रति किलो हो गई। जीरा भी स्टाकिस्टों की बिकवाली कमजोर होने से 200 रुपये बढ़कर 23400/23600 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दूसरी ओर मांग कमजोर होने से धनिया बादामी 100 रुपये मुलायम होकर 16200/16400 रुपये तथा हल्दी ईरोड गट्टा 18900/19000 रुपये पर 200 रुपये प्रति क्विंटल नीचे आ गया। मेवों में आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से पिस्ता 100 रुपये तेज होकर ईरानी 2950/3100 रुपये, पेशावरी 3900/4000 तथा पिस्ता डोडी रोस्टिड 1650/1700 रुपये प्रति किलो के उच्च स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली कमजोर होने से बादाम गिरी कैलीफोर्निया 20/25 रुपये बढ़कर 1000/1070 रुपये प्रति किलो हो गई। जबकि मांग कमजोर होने से अंजीर 500/1000 रुपये घटकर 21800/53000 रुपये प्रति 40 किलो रह गया।

सर्राफा

विदेशों के तेज समाचार आने से सोने के भाव 1700 रुपये प्रति 10 ग्राम उछल गए। चांदी की कीमतों में भी स्थिरता रही। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निवेशकों की लिवाली बढ़ने से सोना 4142 से बढ़कर 4195 डॉलर प्रति औंस हो जाने के कारण बिवकाली घटने से सोना 1700 रुपये बढ़कर किलोबार 152800 तथा स्टैंडर्ड 153600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। बिकवाली घटने से 8 ग्राम वाली गिन्नी 1000 रुपये बढ़कर 113000 रुपये हो गई। विदेशों में चांदी के भाव 45 सेंट बढ़कर 6135 सेंट प्रति औंस हो जाने तथा औद्योगिक मांग निकलने से चांदी हाजिर के भाव 231000 रुपये प्रति किलो पर मजबूत रही। हालांकि स्टोरिया लिवाली से चांदी वायदा दिसंबर 226000 से बढ़कर 227000 रुपये प्रति किलो हो गया।

नई खबर...

घड़ी डिटर्जेंट का नया कैंपेन विश्वास की परीक्षा लॉन्च

आरएसपीएल ग्रुप ने घड़ी डिटर्जेंट का नया कैंपेन विश्वास की परीक्षा लॉन्च किया है। इस कैंपेन में बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित घड़ी डिटर्जेंट की ब्रांड एंबेसडर हैं। इस नए कैंपेन का संदेश है विश्वास की खास बात यही है कि उस पर हमेशा खरा उतरना पड़ता है। कैंपेन में बताया गया है कि घड़ी डिटर्जेंट अपने ग्राहकों का भरोसा बनाए रखने के लिए अपने डिटर्जेंट प्रोडक्ट्स और उसके इस्तेमाल के अनुभव को लगातार बेहतर बनाया है। इस लॉन्च के मौके पर आरएसपीएल ग्रुप के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल ज्ञानचंदानी ने बताया कि घड़ी में हमारा हमेशा से ये मानना है कि नए बदलाव का फायदा लोगों को रोजमर्रा के इस्तेमाल में साफ दिखना चाहिए। 'विश्वास की परीक्षा' इसी सोच को दिखाता है। इस कैंपेन के जरिए हम घड़ी डिटर्जेंट का अब तक का सबसे बेहतर फॉर्मूला लेकर आए हैं। यह भारत में बना ब्रांड है, जिसे लाखों ग्राहकों के भरोसे ने कई सालों में मजबूत बनाया है। नए डिटर्जेंट फॉर्मूले के साथ घड़ी की सफाई और परफॉर्मेंस को और भी बेहतर किया गया है। साथ ही वह क्वालिटी भी बरकरार रखी गई है, जिसकी ग्राहक घड़ी से उम्मीद करते हैं। इसकी कीमत भी ऐसी रखी गई है, जो ग्राहकों की पहुंच में रहे। हमारा मानना है कि ग्राहकों के भरोसे पर खरा उतरने के लिए लगातार अपने प्रोडक्ट को बेहतर बनाते रहना जरूरी है। यह कैंपेन घड़ी डिटर्जेंट के तैयार किए गए नए फॉर्मूलेशन पर आधारित है। इसे लोगों के कपड़े धोने के बदलते तरीके को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कैंपेन फिल्म में विश्वास की परीक्षा के जरिए नए घड़ी डिटर्जेंट की सफाई और गुणवत्ता को दिखाया गया है। फिल्म में माधुरी दीक्षित घड़ी डिटर्जेंट के नए पैक के साथ नजर आ रही हैं।

जिंदल स्टेनलेस ने श्री कृपालु धाम में छह दशक पुराने साधना भवन को मजबूत बनाने के लिए स्टेनलेस स्टील की आपूर्ति की

भारत की अग्रणी स्टेनलेस स्टील निर्माता कंपनी जिंदल स्टेनलेस ने उत्तर प्रदेश के मंगरह में स्थित श्री कृपालु धाम में साधना भवन को मजबूत बनाने में योगदान दिया है। नई स्टेनलेस स्टील संरचना इस तरह बनाई गई है कि वह मूल ढांचे को सहारा दे, लेकिन इमारत के वास्तुशिल्प स्वरूप और श्रद्धालुओं के अनुभव में कोई बदलाव न हो। 1965 में जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज द्वारा स्थापित श्री कृपालु धाम आज एक ऐसा आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है, जहां भारत और दुनिया भर से श्रद्धालु आते हैं। परिसर में संगमरमर से बना भक्ति मंदिर और एक धर्मार्थ अस्पताल है, जहां हर दिन सैकड़ों मरीजों का मुफ्त इलाज किया जाता है। साधना भवन परिसर का ध्यान और सभा स्थल है। यहां वर्षों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ आध्यात्मिक संभाएँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। मजबूती देने के इस तरीके के तहत पूरी संरचना को दोबारा बनाने के बजाय, उसे अंदर से मजबूत करने पर ध्यान दिया गया। नई संरचना इस तरह तैयार की गई है कि वह मूल संरचना के साथ मिलकर भार को संभाले और उसे अतिरिक्त मजबूती दे। जिंदल स्टेनलेस ने अपनी सहायक कंपनी जिंदल स्टेनलेस स्टीलवे लिमिटेड के माध्यम से भार उठाने वाले कॉलम, बीम और क्रॉस गर्डर जैसे विशेष रूप से तैयार किए और 160 टन से अधिक भवन निर्माण घटकों की आपूर्ति की।

महंगे सोने के बीच बिना बिल खरीदारी का बढ़ा चलन

नयी दिल्ली। सोने की कीमतों में हालिया गिरावट के बावजूद पीली धातु अब भी ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रही है। करीब एक साल पहले की तुलना में सोना लगभग 28% महंगा हुआ है। ऐसे में ज्वेलरी खरीदने वाले कुछ ग्राहकों के बीच सस्ता सोना पाने के लिए कैश में बिना बिल खरीदारी का चलन बढ़ने की खबर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बड़ी मात्रा में सोना खरीदने पर अनौपचारिक कैश डील में बाजार भाव से करीब 6% तक कम कीमत मिलने की बात सामने आई है। यह डिस्काउंट प्रति 10 ग्राम सोने पर 10,000 रुपए तक हो सकती है।

कैश पेमेंट पर क्यों मिल रहा डिस्काउंट?

उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
ओबरा – सोनभद्र

ई–निविदा सूचना

1. **Bid No. GEM/2026/B/8067355,** ओबरा तापीय परियोजना, 'अ/ब' ताप विद्युत गृह के कोल हैण्डलिंग प्लांट में स्थापित कोल क्रशर्स के ब्रेकडाउन मेंटिनेन्स का कार्य, प्रपत्र शुल्क–0.00, धरोहर राशि– रू0 72,000.00 धनराशि– रू 36,06,419.00, ई–निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि दि0 03.10.2026
2. **Bid No. GEM/2026/B/8058839,** Third Party Audit of ongoing work of Fire Detection & Protection System BTPS, Obra, प्रपत्र शुल्क– 0.00, धरोहर राशि– रू0 30,000.00 धनराशि– रू 15,00,000.00, ई–निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि दि0 09.10.2026

निविदा के परिशिष्ट/शुद्धिपत्र/निरस्तीकरण आदि की सूचना हेतु नियमित रूप से **https://etender.up.nic.in** देखें।

पत्रांक: 100/ज0स0का0/निविदा दिनांक : 30/09/2026

"राष्ट्रहित में बिजली बचायें"

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
शारदा सहायक खण्ड–36, जौनपुर

ई–टेण्डरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यो की निविदा सूचना सं0–03/अ0अ0/2026–27

महामहिम राज्यपाल महोदया, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाइन प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल एवं फाइनेंसियल बिड सिंचाई विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड दिनांक–14.10.2026 को बाद दोपहरः 02.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में गठित समिति के समक्ष आनलाइन खोली जायेगी एवं टेक्निकल बिड में सफल निविदा दाताओं की फाइनेन्शियल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में निर्धारित समिति के समक्ष आनलाइन खोली जायेगी। निविदा सम्बन्धी समस्त प्रपत्र दिनांक–06.10.2026 को बाद दोपहर 11.00 बजे से दिनांक 14.10.2026 को बाद दोपहर 01:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है। कार्यालय बन्द होने, राजकीय अवकाश होने की दशा में अथवा सर्वर में परेशानी होने की दशा में यह बिड अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी। आनलाइन निविदा के साथ सिंचाई विभाग की निर्धारित श्रेणी में वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र, जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्गत वैध चरित्र प्रमाण–पत्र(IDT-1), हैसियत प्रमाण–पत्र(IDT-2)एवं स्वघोषणा पत्र(IDT-3), श्रम विभाग द्वारा जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर विभाग द्वारा निर्गत पैन नम्बर, जी0एस0टी0 पंजीकरण प्रमाण पत्र, व पैन कार्ड की प्रति आदि की स्पष्ट स्कैण्ड कापी अपलोड करना अनिवार्य होगा, अन्यथा की दशा में निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। इस निविदा को पूर्ण या आंशिक रूप से बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

लाट सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	मात्रा	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी + स्टेशनरी का मूल्य (रू0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	पेसारा राजवाहा के बायीं पटरी के किमी0 20.300 से किमी0 21.800 तक सेवा मार्ग के नवीनीकरण का कार्य।	18.70	बिल ऑफ क्वाटिंटी के अनुसार	37400.00	30 दिन	2354.00	"सी" अथवा उच्च
2.	पेसारा राजवाहा के बायीं पटरी के किमी0 21.810 से किमी0 23.610 तक सेवा मार्ग के नवीनीकरण का कार्य।	22.44	बिल ऑफ क्वाटिंटी के अनुसार	44880.00	30 दिन	2354.00	"बी" अथवा उच्च

नोट–यह निविदा/बिड सूचना उ0प्र0सरकार की वेबसाइट http://up.gov.inसूचना विभाग की बेवसाइट http://information.up.nic.in एवं सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की वेबसाइट http://idup.gov.in पर भी उपलब्ध है। इन वेबसाइट से निविदा प्रपत्र डाउनलोड किये जा सकते है।

उ.प्र.:–257249
दिनांक–29.09.2026

अधिशासी अभियन्ता
शारदा सहायक खण्ड–36
जौनपुर।

वेबसाईटः– www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, वाराणसी

पत्रांकः- 296/नदी नीलामी-गोमती नदी/2026-27 दिनांकः- 25 सितम्बर, 2026

नदियों में मत्स्य आखेट हेतु पट्टा/ठेका/नीलामी संबंधी सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश सं0–1/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट) 2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में दी गई व्यवस्थानुसार जनपद में प्रवाहित गोमती नदी में मत्स्य आखेट हेतु पट्टा/ठेका/नीलामी की कार्यवाही उप जिलाधिकारी, सदर वाराणसी की अध्यक्षता में निम्न विवरणानुसार निर्धारित दिनांक 26.10.2026 के अपरान्ह 02:00 बजे से तहसील सभागार, वाराणसी सदर में की जाएगी। नीलाम किए जाने हेतु मत्स्याखेट स्थल निम्नवत है–

तहसील सदर हेतु मत्स्य आखेट स्थलों की सूची

क्र0 सं0	नदी का नाम	मत्स्याखेट स्थल का नाम/ग्राम	स्थल की लंबाई (कि0मी0)	न्यूनतम आरक्षित मूल्य (रु0 में)	नीलामी दिनांक, समय एवं स्थान
1	2	3	4	5	6
1	गोमती नदी	भदवा से कैथोर	5.00 किमी0	62500/-	दिनांकः 26.10.2026 समयः अपरान्ह 02:00 बजे स्थानः तहसील सभागार, वाराणसी सदर
2	गोमती नदी	कैथोर से बाबतपुर	4.30 किमी0	53750/-	
3	गोमती नदी	बाबतपुर से उधौरामपुर	5.00 किमी0	62500/-	
4	गोमती नदी	उधौरामपुर से भगवानपुर	5.90 किमी0	73750/-	
5	गोमती नदी	भगवानपुर से लक्ष्मीसेनपुर	4.50 किमी0	56250/-	
6	गोमती नदी	लक्ष्मीसेनपुर से राजवारी	4.60 किमी0	57500/-	

पट्टा/ठेका/नीलामी की शर्तें–

1. पट्टा/ठेका/नीलामी मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के मध्य करायी जाएगी जिसमें पात्रता का वरीयता क्रम निम्नवत है–
   क. सम्बन्धित ग्राम में निवास करने वाले मछुआ समुदाय के व्यक्तियों की सहकारी समितियां जो उ0प्र0 सहकारी समिति अधि0–1965 के अन्तर्गत पंजीकृत हो और मत्स्य पालन विभाग उ0प्र0 द्वारा मान्यता प्राप्त हो।
   ख. सम्बन्धित न्याय पंचायत में निवास करने वाले मछुआ समुदाय के व्यक्तियों की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत हो और मान्यता प्राप्त हो।
   ग. सम्बन्धित विकास खण्ड में निवास करने वाले मछुआ समुदाय के व्यक्तियों की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत हो और मान्यता प्राप्त हो।
   घ. सम्बन्धित जनपद में निवास करने वाले मछुआ समुदाय के व्यक्तियों की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत हो और मान्यता प्राप्त हो।
   ड. उ0प्र0 राज्य में निवास करने वाले मछुआ समुदाय के व्यक्तियों की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत हो और मान्यता प्राप्त हो।
   च. अनु0 जाति अथवा अनु0 जनजाति के व्यक्तियों की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत हो और मान्यता प्राप्त हो।
   छ. अन्य सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत हो और मान्यता प्राप्त हो।
2. चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्र जिस ग्राम/ग्रामों में पड़ता है उस ग्राम पंचायत/पंचायतों में पड़ने वाली मत्स्य जीवी सहकारी समितियां पात्र मानी जाएगी।
3. यदि चिन्हित मत्स्य आखेट में केवल एक मत्स्य जीवी सहकारी समिति पात्र है तो न्यूनतम आरक्षित मूल्य पर पट्टा किया जाएगा। यदि पात्रता सूची में एक से अधिक मत्स्य जीवी सहकारी समितियां होंगी तो मौके पर नीलामी करायी जाएगी। जिसमें केवल पात्रता सूची में उल्लिखित समितियों के अधिकृत प्रतिनिधि ही प्रतिभाग कर सकेंगे। जिन्हें मत्स्य विभाग से प्राप्त सक्रियता प्रमाण पत्र, समिति का निबंधन प्रमाण पत्र, बैठक कार्यवाही, ऑडिट रिपोर्ट एवं सचिव का आधार कार्ड तथा पैन कार्ड आवेदन के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
4. समिति द्वारा मत्स्य आखेट हेतु नीलामी में प्रतिभाग करने हेतु प्रथम तल, विकास भवन, वाराणसी में स्थित मत्स्य विभाग कार्यालय में नीलामी तिथि के पूर्व किसी भी कार्य दिवस में अथवा नीलामी तिथि को नीलामी स्थल पर दोपहर 12:00 बजे तक आवेदन किया जा सकता है।
5. उच्चतम बोली बोलने वाली मत्स्य जीवी सहकारी समिति से उच्चतम बोली की 25% धनराशि तत्काल जमा करायी जाएगी। अवशेष 75% धनराशि समिति को एक सप्ताह में जमा कराना अनिवार्य होगा।
6. नीलामी प्राप्तकर्ता को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अंगुलिका प्रति कि0मी0 के दर से रिवर रैंचिग कराया जाना अनिवार्य होगा।
7. पट्टे की अवधि नीलामी की तिथि से 30 जून 2027 तक होगी किन्तु 1 जून से 31 अगस्त तक नदियों में मत्स्य आखेट प्रतिबंधित रहेगा।
8. पट्टा धारक समिति/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जाएगा और न ही नदी/जलधारा में बाड़े लगाए जाएंगे।
9. पट्टा धारक/नीलामी प्राप्तकर्ता नदी में कोई ऐसा विषैला अथवा विस्फोटक पदार्थ उपयोग में नहीं लाएगा जिससे जल प्रदूषण एवं जलीय जीव जन्तुओं की मृत्यु होने की सम्भावना हो।
10. पट्टा धारक समिति/नीलामी प्राप्तकर्ता को नदी में कछुआ, घड़ियाल, गंगैटिक डोल्फिन, मगर एवं अन्य प्रतिबंधित प्रजातियों को पकड़ने का अधिकार नहीं होगा।
11. मत्स्य आखेट हेतु प्रतिबंधित श्रेणी का जाल प्रयोग में नहीं लाया जाएगा।

अन्य विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में मत्स्य विभाग के कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य/मत्स्य पालक विकास अभिकरण, प्रथम तल, विकास भवन, वाराणसी में संपर्क किया जा सकता है।

उ.प्र.:– 257264
दिनांकः– 29.09.2026

(सुरेश कुमार)
सहायक निदेशक मत्स्य, वाराणसी

वेबसाईटः– www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

उत्तर मध्य रेलवे

No. EL-C-PRYJ-04-24-25/Public Notification Dated 29.09.2026

पब्लिक नोटिफिकेशन

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के खैराही से लूसा के आस पास नीचे दिए गये सेक्शन में 25 के.वी.ए.सी. 50 हर्टज्स ओवर हैड ट्रैक्शन वायर इस तारीख को / तक चार्ज कर दिया जायेगा। इस तारीख को/से ओवर हेड लाइन को हर समय चार्ज लाइन की तरह ट्रीट किया जायेगा और कोई भी अनअथोराइज आदमी इस लाइन तक पहुँचने की कोशिश नहीं करेगा और न ही कार्य करने की कोशिश करेगा।

चार्ज करने की तिथि : 18.10.2026 या बाद

क्रमांक	सैक्शन	किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज से	तक
1.	प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के खैराही - लूसा खंड में कि.मी. 185/334.40 से कि.मी. 203/170.40 तक दोहरीकरण कार्य हेतु 25 केवी, 50 हर्ट्ज ए.सी. ओ.एच.ई. का विद्युतीकरण।	खैराही (KHRY) लोकेशन-185/12 चैनेज-185/ 334.40	लूसा (LUSA) लोकेशन-203/7-8 चैनेज-203/ 170.40

2234/26 (PH)

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

बनारस रेल इंजन कारखाना, वाराणसी-221004

बिड संख्या. E-26/2026-2027 ई-निविदायें दिनांक: 29.09.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित वस्तुओं के आपूर्ति हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। केवल ई-प्रस्ताव ही स्वीकार्य है, जिसके लिए वेंडर का क्लास III का डिजिटल सिग्नेचर एवं IREPS पर पंजीकरण आवश्यक है । **निविदाओं का विवरण निम्न क्रम से हैं:- क्र.सं., निविदा संख्या, (खुलने की तिथि), पीएल नं, विवरण और मात्रा। 01.** 08265002, विज्ञापित निविदा, (16/10/2026), रनिंग कॉन्ट्रैक्ट/प्राइस एग्रीमेंट फॉर सप्लाई, इंस्टॉलेशन एंड कमिशनिंग ऑफ ऑन बोर्ड रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम (ORMS) एज पर पार्ट 0 एंड पार्ट-1 ऑफ CLW स्पेशिफिकेशन नंबर CLW/C-D&D/ES/3/0554 इश्यूड इन अप्रैल 2024. इन एडिशन टू द अबव डिस्क्रिप्शन, द आइटम शुड आल्सो कप्लाई विद रिक्वायरमेंट मेंशंड इन शेड्यूल ऑफ रिक्वायरमेंट (SOR). कॉपी अटैच्ड विद टेंडर डॉक्यूमेंट्स., 2179 सेट. **02.** 09261087, 26/10/2026, ऑयल कूलिंग यूनिट फॉर ट्रांसफॉर्मर / कन्वर्टर विथ इम्पेलर और केसिंग अलोंग विथ 30 KW मोटर स्पेकन: RDSO/2016/EL /स्पेक/0123 REV-0 और ड्राइंग नंबर RDSO/2016/SK-6/EL/स्पेक/0123 और RDSO स्पेक RDSO/E-10/3/09 (मोटर)-विथ संशोधन संख्या 01 से 06 या लेटेस्ट टू पार्ट संख्या-29470043, 496 सेट्स **03.** 10261641, 14/10/2026, पिस्टन रिंग सेट, पार्ट सं. 16030618, 3000 सेट. । उक्त निविदाओं का विस्तृत विवरण **https://www.blw.indianrailways.gov.in** और **https:// www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **संशोधन सूचना:- 04. बिड सं. E-24 2026-27 निविदा सं.:** निविदा सं. 10261019, स्टील-क्रैंकशाफ्ट **रिविजन:** 01 **सुधार का विवरण: (1)** यह निविदा **दिनांक-28/09/2026 के स्थान पर दिनांक-01/10/2026 को खुलेगी।** **05. बिड सं.** E-24 2026-27 **निविदा सं.:** निविदा सं. 10251258, मशीन पिस्टन **रिविजन:** 01 **सुधार का विवरण: (1)** यह निविदा **दिनांक**-25/09/2026 **के स्थान पर दिनांक**-12/10/2026 **को खुलेगी।** (2) मात्रा 8000 अदद के जगह 6000 अदद पढ़ा जाये. **नोट: उपरोक्त सभी निविदाओं की अन्य शर्ते अपरिवर्तित रहेंगी।**

ज.स.अ. / बरेका / एस–28 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक

/blwvaranasi "वेबसाइट :- www.blw.indianrailways.gov.in"

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/ Northern Railway
नीलमी सूची सं.	MPSBSP26
कार्य का विवरण	Allotment of Multi-Purpose Stall at Varanasi Cantt. Station of Lucknow Division for a period of five (05) years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22.09.2026
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लॉट)	07.10.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि व समय	07.10.2026 at 11:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलिदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

S. N.	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
1	Varanasi Cantt. (BSB)	MPS-LKO-BSB-MPS-9-23-1	BSB/4/5/10/MPS	07.10.2026 at 11:30 hrs.	SMU	FF/WW/WRE/LD

3394/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
कनहर निर्माण खण्ड-द्वितीय, पिपरी-सोनभद्र

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्याः-04/अ.अ./2026-27

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद निविदा सिंचाई विभाग उ0प्र0 में कार्यो के समक्ष अधोलिखित श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 12.10.2026 समय 3:00 बजे अपराह्न तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आंमत्रित की जाती है, जो दिनांक 13.10.2026 अपरान्ह् 3:00 बजे निविदा उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, कनहर निर्माण खण्ड–द्वितीय पिपरी–सोनभद्र में खोली जायेगी।

निविदा प्रपत्र दिनांक 05.10.2026 से 12.10.2026 तक सांय 5:00 बजे तक कार्यालय अवधि में कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, कनहर निर्माण खण्ड–द्वितीय पिपरी–सोनभद्र को निर्धारित शुल्क एवं वांछित अभिलेखों की मूल प्रतियॉं व सत्यापित छायाप्रति प्रस्तुत करने पर प्राप्त किये जा सकेगें। निविदा प्राप्त करने से पूर्व पंजीकरण, जिलाधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण–पत्र (IDT-I), हैसियत प्रमाण–पत्र (IDT–2) तथा जी0एस0टी0 प्रमाण पत्र की मूल प्रतियॉं प्रस्तुत की जायेगी तथा उनकी सत्यापित छायाप्रतियॉं भी ठेकेदार या उसके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा जमा की जायेगी। अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा जो कि ठेकेदार द्वारा प्रदत्त अधिकार पत्र जिसमें प्रतिनिधि का हस्ताक्षर प्रमाणित किया हुआ हो, भी निर्धारित शुल्क/उक्त अभिलेख प्रस्तुत कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किये जा सकेगें।

धरोहर धनराशि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर0 के रूप में जो कि अधिशासी अभियन्ता, कनहर निर्माण खण्ड–द्वितीय पिपरी–सोनभद्र के पक्ष में बन्धक होगी जमा करना अनिवार्य होगा। साथ ही साथ यह भी सुनिश्चित करें कि लाट के अनुसार धरोहर धनराशि की एफ0डी0आर0 संलग्न करें अन्यथा निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। निविदा निरस्त करने का समस्त अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि 02 प्रतिशत (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	Supply of Angle iron, MS- Pipe	7.93	16000.00	15 दिवस	225+500 18%GST= Rs.766.00	सिविल "सी" श्रेणी या उच्च

नोटः– यह निविदा सूचना, सूचना विभाग की वेबसाइट (WWW.information.up.nic.in) तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट http://idup.gov.in/ पर भी उपलब्ध है।

1. नियम शर्त अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में बिक्री के लिये उपलब्ध निविदा प्रपत्र के साथ प्राप्त किया जा सकता है।
2. उपरोक्त अंकित किसी भी तिथि को अवकाश घोषित होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस को निविदा प्राप्त/खोली जायेगी।
3. निविदादाता जो राज्य सरकार द्वारा काली सूची में दर्ज हो निविदा प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेगा।

उ.प्र.:– 257257
दिनांकः– 29.09.2026

(दिलीप कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
कनहर निर्माण खण्ड–द्वितीय

वेबसाईटः– www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालयः–आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, बीपी–4,टेक्नोपोलिस बिल्डिंग, चौथी मंजिल,सेक्टर 5,सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता,पश्चिम बंगाल–700091
CINनंबर: L65190GJ1994PLC021012,www.icicibank.com

नीचे दिए गए उधारकर्ताओं ने आईसीआईसीआई बैंक से ली गई लोन सुविधा के तहत मूलधन और ब्याज का भुगतान करने में चूक की है। इन लोन को नॉन–परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) के तौर पर वर्गीकृत किया गया है। उन्हें सिक्योरिटाइज़ेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ़ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ़ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 की धारा 13(2) के तहत उनके आखिरी ज्ञात पते पर एक नोटिस भेजा गया था। हालाँकि, यह नोटिस उन तक नहीं पहुँच पाया, इसलिए उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के ज़रिए सूचित किया जा रहा है।

क्र.सं.	कर्जदारों/सह–कर्जदारों/गारंटीदाता का नाम/(ऋण खाता संख्या) एवं पता	सिक्योर्ड सम्पत्ति/प्रवर्तित की जाने वाली सम्पत्ति का विवरण	प्रेस नोटिस की तिथि/नोटिस की तिथि को बकाया धनराशि	एनपीए दिनांक
1.	जय शंकर पांडे/मार्कंडेय दुबे/सुमन पांडे/सुरेश, गिरजा देवी गारंटर/ग्राम हांसु मार्केट, जीटी रोड, सासाराम, साई मंदिर के पास, बिहार, सासाराम–821115/ एलबीजीएवाई00005181612	वारजी नंबर 1060, मौजा– मीर गोवर्धनपुर मारुतिनगर कॉलोनी, वाराणसी, देहात अमांत जिला, तहसील–वाराणसी, जिला–वाराणसी, उत्तर प्रदेश के स्वामित्व वाले बायमार्कंडेय दुबे का क्षेत्रफल 2720 वर्ग फुट है।	31/08/2026 रु. 20,40,701/–	28/07/2026

नोटिस की सबस्टिट्यूटेड सर्विस (वैकल्पिक तामील) के लिए ये कदम उठाए जा रहे हैं। ऊपर बताए गए उधारकर्ता/गारंटर (जैसा भी मामला हो) को सलाह दी जाती है कि वे इस नोटिस के पब्लिश होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया पेमेंट कर दें। ऐसा न करने पर, सिक्योरिटाइज़ेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ़ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ़ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिनांक : 01 अक्टूबर 2026
स्थान :–वाराणसी

भवदीय, अधिकृत अधिकारी,
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए।